Supply of Oil Products from Rajkot Depot

*382. SHRI LALITBHAI MEHTA : Will the MINISTER of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state :

(a) whether any representation has been made to restore the supplies of oil products from Rajkot depot by Saurashtra-Kutch Petrol and Diesel Dealers' Association;

(b) if so, when;

(c) whether a joint meeting under his Chairmanship was held on 10th March, 2000, in the presence of Minister of State for Heavy Industries and Public Enterprises representatives of dealers and officials.

(d) if so, what was the decision taken;

(e) whether it is a fact that Minister of State for Heavy Industries and Public Enterprises fixed 25th March, 2000, for an on the spot study of the problem and visit of the site; and

(f) if so, the outcome of the study visit ?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI RAM NAIK) : (a) to (f) A statement is laid on the table of the House.

STATEMENT

(a) and (b) Saurashtra-Kutch Petrol-Diesel Dealers' Association submitted representations to the Minister of Petroleum & Natural Gas on 17-12-1999 and 22-12-1999 to restore supplies of petroleum products from Rajkot Depot.

(c) to (e) A delegation of Saurashtra-Kutch Petrol-Diesel Dealers' Association called on Minister of Petroleum & Natural Gas on 10-3-2000 when Minister of State for Heavy Industries and Public Enterprises, officials of the Ministry of Petroleum & Natural Gas and Oil Companies were also present. It was decided that a group comprising the representatives of Dealers' Association and Oil Industry would visit Rajkot to examine the problems. The visit of the delegation was made on 15-4-2000.

(f) It has now been decided that the supplies of the petroleum products from Rajkot Depot would commence shortly.

श्री ललित भाई मेहता : महोदय, राजकोट डिपो नवंबर के महीने में बंद कर दिया गया था और अभी मंत्री जी ने बताया है कि पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स फिर से राजकोट डिपो से देना शुरू

करने जा रहे हैं। यह बहुत आनंद की बात है लेकिन में यह जानना चाहूंगा कि जो पेट्रोल और डीज़ल के कन्ज्यूमर हैं, उनको जो अभी प्राइस देना पड़ रहा है, वह गुजरात में कोयली रिफाइनरी से राजकोट तक रेल का किराया देना पड़ता है। पेट्रोल और डीज़ल की कीमतें जब तय करनी होती हैं तो यह किराया उसमें लगाया जाता है लेकिन डीज़ल और पेट्रोल की सप्लाई पहले कांडला से दी जाती थी जो कि अब जामनगर से रिलायंस की रिफाइनरी से दी जाती है। ऑयल पूल कंपनियां जो किराया चार्ज करती हैं, वह तो कोयली से राजकोट तक का किराया होता है और पेट्रोल और डीज़ल डीलर्स ऐसे प्राइस तय करते हैं जिसका बोझा अल्टीमेटली कन्ज्यूमर्स तक जाता है। अभी मेरे पास जो आंकड़े हैं, उनसे यह पता चलता है कि पिछले चार महीनों में कुल 5 लाख 38 हज़ार किलो लीटर पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स सारे सौराष्ट्र और कच्छ के एरिया में दिए गए। इन्होंने जो रेट चार्ज करना था, वह 209 रुपए था लेकिन प्रति किलो लीटर वे 486 रुपए चार्ज कर रहे हैं। इसका परिणाम यह हुआ कि सिर्फ चार महीनों में पेट्रोल और डीज़ल के कन्ज्यूमर्स को 14 करोड़ 90 लाख रुपए का नुकसान उठाना पड़ा और ये 14 करोड़ 90 लाख रुपए कहां गए ? ये ऑयल कंपनीज़ के पास हैं या ऑयल पूल एकाउंट में जाते हैं ? अगर यह सच है तो अभी रिलायंस की रिफाइनरी से जो सप्लाई देना शुरू हुआ है तो रिलायंस की रिफाइनरी से राजकोट तक का किराया तय करने में कितनी देर लगेगी, यह मेरा प्रश्न है ?

श्री राम नाइक : सभापति जी, मैं सदन के सामने परिस्थिति ठीक प्रकार से रखना चाहता हूं। एक तो यह है कि जामनगर रिफाइनरी ने अपना काम नवम्बर में शुरू किया और जामनगर से राजकोट नजदीक है इसलिए वहां से सप्लाई हो तो अधिक लाभदायक होगा तथा समय भी बचेगा। इस भूमिका में यह निर्णय किया गया था। लेकिन मुख्य प्रश्न यह था कि राजकोट डिपो बन्द हो रहा था। यदि राजकोट डिपो बन्द होगा तो वहां के डीलर्स और ग्राहकों को समय पर चीजें न मिलने के कारण दिक्कत होने की संभावना थी इस बात को लेकर हमने राजकोट डिपो बन्द न करने का फैसला लिया। हालांकि थोड़ी-थोड़ी मात्रा में बन्द होने लगा था तो हमने फिर से कहा कि जैसे पहले यह काम करता था उसी प्रकार से अब यह काम करे। जहां तक इस बात का सवाल है कि किस अंतिम कीमत पर यह ग्राहकों को मिले तो सारे हिन्दुस्तान में ग्राहकों के लिए एक ही एक्स फैक्ट्री प्राइज है। चाहे यह यहां से आए या और किसी दूसरी रिफाइनरी से आए, This is an adjustment between the oil company and the oil pool account. ग्राहकों को जो अंतिम कीमत जाती है उसके कारण कोई अंतर नहीं पड़ता। इसलिए मैं विश्वास दिलाना चाहता हूं कि यह राजकोट कि डिपो फिर शुरू होने के बाद समस्या का समाधान हुआ है। इसके लिए मैंने मीटिंग ली जिसमें माननीय सदस्य भी थे और राजकोट के लोकल एमपी श्री वल्लभ भाई कठारिया, सदस्य लोक सभा भी उपस्थित थे तथा डीलर्स व ग्राहक भी थे। सभी के साथ परामर्श करके हमने 23 अप्रैल से इसे फुल स्केल में शुरू करने का फैसला किया है।

श्री ललितभाई मेहता : सभापति जी, मंत्री जी ने अभी बताया है कि सारे देश में एक ही प्राइज रहता है तो मैं जानना चाहता हूं कि सप्लाई कहां से होती है ? लेकिन अभी जामनगर से राजकोट में सप्लाई रेल के माध्यम से होगी और रेल के माध्यम से जामनगर से राजकोट तक का किराया तय करने के लिए फाइल आपकी मिनिस्ट्री में चली है या नहीं चली, पता नहीं। यदि चली है तो आप उसका किराया कब तक तय कर देंगे ताकि सौराष्ट्र और कच्छ के कंज्यूमर्स को जो लाभ मिलने वाला है वह लाभ मिल सके ?

श्री राम नाईक : मैं दुबारा यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि यह सवाल केवल जामनगर व राजकोट का नहीं है बल्कि यह श्रीनगर, आसाम और सुदूर दक्षिण का है, सभी को जो फ्रेट, ट्रांसपोर्ट चार्ज देना पड़ता है, सारा देखकर रेट तय होते हैं। किसी एक स्थान पर नजदीक पाया तो कितना फर्क पड़ेगा, ऐसा विचार इसके बारे में नहीं होता है। मेरी मिनिस्ट्री की जानकारी आपको काफी दिखती है। फाईल मूव हो गई है, आपने कहा है। जैसे ही मेरे पास फाइल आएगी ....

श्री ललितभाई मेहता : आपके अधिकारियों ने हमें बताया है कि जामनगर से राजकोट तक का किराया तय कर देंगे और इससे जो फायदा होने वाला है वह होगा। मेरा सवाल तो यह है कि जो सप्लाई पहले कांडला से करते थे अब जामनगर से कर रहे हैं। जामनगर से राजकोट का डिसटेंस 145 किलोमीटर है फिर भी 288 किलोमीटर का भाड़ा लेते थे, वह भाड़ा ग्राहकों पर आता था। यह डिफरेंस कहां गया ? आयलपूल अकाउन्ट्स में गया या कम्पनी के पास गया ? यही मुझे जानना है।

श्री राम नाइक : जैसा कि माननीय सदस्य ने बताया है कि वह फाइल मेरे पास आ रही है, हमारे अधिकारी भी एमपीज़ के साथ सम्पर्क रखते हैं, it means that the public relations have been improved.

श्री ललितभाई मेहता : मंत्री जी, हमको फायदा कर दीजिए।

श्री राम नाईक : फायदा तो सारे देश के कंज्यूमर्स और जो पैट्रोलियम गैस का प्रयोग करते हैं.....

SHRI LALITBHAI MEHTA : You do it within the framework of your rules.

श्री राम नाईक : जैसे ही वह फाइल मेरे पास आएगी और जैसा मैंने इसे शुरू करने का निर्णय लिया है उसी प्रकार का योग्य निर्णय मैं लूंगा। जैसे ही दो-चार दिन में वह फाइल आ जाएगी मैं फैसला कर दूंगा।

MR. CHAIRMAN : Mr. Saifullah. Is your question regarding Rajkot ?

SHRI K. M. SAIFULLAH : It concerns the whole country.

MR. CHAIRMAN : No. This is a question concerning only the Rajkot depot.

SHRI K. M. SAIFULLAH : Mr. Chairman, it is related to the questions and the answers.

MR. CHAIRMAN : No. It is only concerning the Rajkot depot and things related to that.

SHRI K. M. SAIFULLAH : Sir, I will put a question related to that only.

MR. CHAIRMAN : Yes, let me see.

SHRI K. M. SAIFULLAH : Sir, I would like to know from the hon. Minister that if a dealer, without the permission of the IOC, enters into an agreement of partnership, whether it can be cancelled or not.

MR. CHAIRMAN : That question doesn't arise out of this. *(Interruption)*... No. It doesn't arise out of this (*Interruption*)... Mr. Dave *(Interruption)*... It doesn't arise out of this. Mr. Dave.

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे : सभापति महोदय, यह सवाल सौराष्ट्र और कच्छ का है। सौराष्ट्र और कच्छ का डेलीगेशन आपसे मिला था। पहले कांडला में डिपो था और कांडला से सब जगह डिस्ट्रीब्यूट होता था। अपने राजकोट तय कर दिया। राजकोट और जामनगर का डिस्टेंस सिर्फ 90 किलोमीटर तथा रिलायंस तक 100-120 किलोमीटर लेकिन कच्छ और जामनगर का डिस्टेंस 350 किलोमीटर है। आपने राजकोट को तय कर दिया तो क्या आप यह आश्वासन देंगे कि कच्छ में जो शुरू किया है आप उसे भी चालू रखेंगे बंद नहीं करेंगे ?

श्री राम नाईक : सभापति महोदय, प्रश्न यह है कि राजकोट को बंद करने का जो फैसला किया था उसे फिर से शुरू करने का निर्णय किया है। सौराष्ट्र में ही नहीं बल्कि सारे गुजरात में अभी तक एक भी डिपो बंद करने का प्रस्ताव हमारे पास नहीं आया है। यदि ऐसा कोई प्रस्ताव ऑयल कंपनी की ओर से आएगा तो निश्चित तौर पर मैं विश्वास दिलाता हूं कि उस क्षेत्र के जो सांसद होंगे उनके साथ मैं पहले चर्चा करूंगा।

श्री सभापति : श्री अहमद पटेल।

श्री अहमद पटेल : सभापति महोदय, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि जहां तक प्रोडक्ट का सवाल है, जिसे राजकोट डिपो से नवम्बर में बंद कर दिया गया उसकी वजह क्या

थी ? अभी जो रिस्टोर किया गया उसकी क्या वजह है ? या तो वह रीजन गलत था या यह रीजन गलत है ? कौन-सा सही रीजन था कौन सा गलत था, यह मैं सरकार से जानना चाहता हूं ?

जहां तक फाइल की मूवमेंट का सवाल है वह प्रीविलेज बी. जे. पी. या रूलिंग पार्टी तक ही सीमित न रहे। क्या विरोधी पार्टी को भी इसका फायदा मिलेगा या नहीं मिलेगा ?

श्री राम नाईक : पटेल जी, मैं आपका भी स्वागत करूंगा जब कभी आप कोई भी समस्या लेकर आएंगे। मुझे ऐसा लगता है कि आपके पास कोई समस्या आई ही नहीं होगी इसलिए आप मेरे पास नहीं आए। यह जो निर्णय है वह इसलिए लिया गया था कि जामनगर में रिलायंस की जो नई रिफायनरी शुरू हुई, वह नवम्बर में शुरू हुई । वहां से जो भी उत्पादन होगा केरोसीन का, पेट्रोल का वह कहां ले जाना है, किस प्रकार से लेना है ? इस पर सरकार की जो नीति है कि 2002 तक कोई भी प्राइवेट मैन्युफैक्चरर मार्केट नहीं कर सकता है, रिलायंस को वह सेल करना है, पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स को, इंडियन ऑयल कंपनी को। इस भूमिका में जब वहां से उत्पादन आना शुरू किया गया तो तुलना में राजकोट नजदीक था इसलिए हमने वह बंद करने का निर्णय किया था यह निर्णय क्यों हुआ, मैंने बताया । जब कोई भी निर्णय होता है तो उसमें कुछ कठिनाइयां होती हैं जैसे वहां जाना, पैसा देना, ड्राफ्ट देना, उसकी क्लियरेंस आदि की व्यापारिक तौर पर कठिनाइयां होती हैं। ऐसी कठिनाइयां लेकर मेरे पास एसोसिएशन के लोग आए थे, एम. पी. भी आए थे इसलिए उनकी कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए हमने यह निर्णय लिया है। लेकिन जब इस रिफाइनरी में फुल फ्लेड उत्पादन शुरू होगा, जो देश की सबसे बड़ी रिफाइनरी है तो नजदीक के स्पॉट पर इस प्रकार की कुछ न कुछ व्यवस्था करनी पड़ेगी जिससे नजदीक के लोगों को सप्लाई जल्दी मिले और डबल ट्रांसपोर्ट की तकलीफ न हो, इस बात को ध्यान में रखकर ऐसे निर्णय करेंगे।

MR. CHAIRMAN : Shri N. K. P. Salve.

SHRI N. K. P. SALVE : My supplementary arises out of the reply given by the hon. Minister to the earlier question put by the hon. Member. Sir, as he has spelt out, the scope of the Study Group in the case of Punjab is very commendable. May I know from him whether this kind of a study will be carried out in other States also, because this will accelerate the economic growth of the country?

MR. CHAIRMAN : No, no. This question is not related to this.

SHRI N.K.P. SALVE : But, Sir...

MR. CHAIRMAN : No, please.

SHRI N.K.P. SALVE : But, Sir. the study... (*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN : No, Please no. Now, next question, Question No. 383. Shri Prakanta Warisa.

SHRI N.K.P. SALVE : Sir, I beg of you to consider one thing. I am asking whether this kind of a study has been conducted in any other State.

MR. CHAIRMAN : But this is not relevant.

SHRI N.K.P. SALVE : Sir, does it go outside the scope and ambit of this question, if I ask whether this kind of a study is also contemplated in any other State ? I beg of you to consider this.

MR. CHAIRMAN : But this is relevant to the earlier question.

SHRI N.K.P. SALVE : If you rule it out, I will sit down, I beg of you to ...

MR. CHAIRMAN : If you had asked this at that time, certainly, I would have allowed you, You are a very senior Member.

SHRI N.K.P. SALVE : I don't want to argue. If you think it is not within the ambit of this question...

MR. CHAIRMAN : Yes, it is not within the ambit of this question.

SHRI N.K.P. SALVE : Thank you, Sir.

*383. The Questioner (Shri Prakanta Warisa) was absent. For answer *vide* page 25 *.infra.*

दिल्ली दुग्ध योजना के दूध की बिक्री में कमी

*384. **श्री राज मोहिन्दर सिंह** : †

श्री कपिल सिब्बल : क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हाल के महीनों में दिल्ली दुग्ध योजना के दूध की कीमतें बढ़ा दिए जाने के बाद से इसकी बिक्री में भारी कमी आई है;

(ख) यदि हां, तो मौजूदा औसत दैनिक बिक्री कितनी है और यह दूध की कीमत बढ़ाने से पूर्व होने वाली बिक्री की तुलना में कितने प्रतिशत कम है; और

(ग) क्या सरकार ने दूध की बिक्री पुन: बढ़ाने के लिए कोई नये उपाय किए हैं ; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्री (श्री सुन्दर लाल पटवा) : (क) से (ग) तक एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

---

† सभा में यह प्रश्न श्री राज मोहिन्दर सिंह द्वारा पूछा गया ।